# आदिवासी दर्शन और समाज

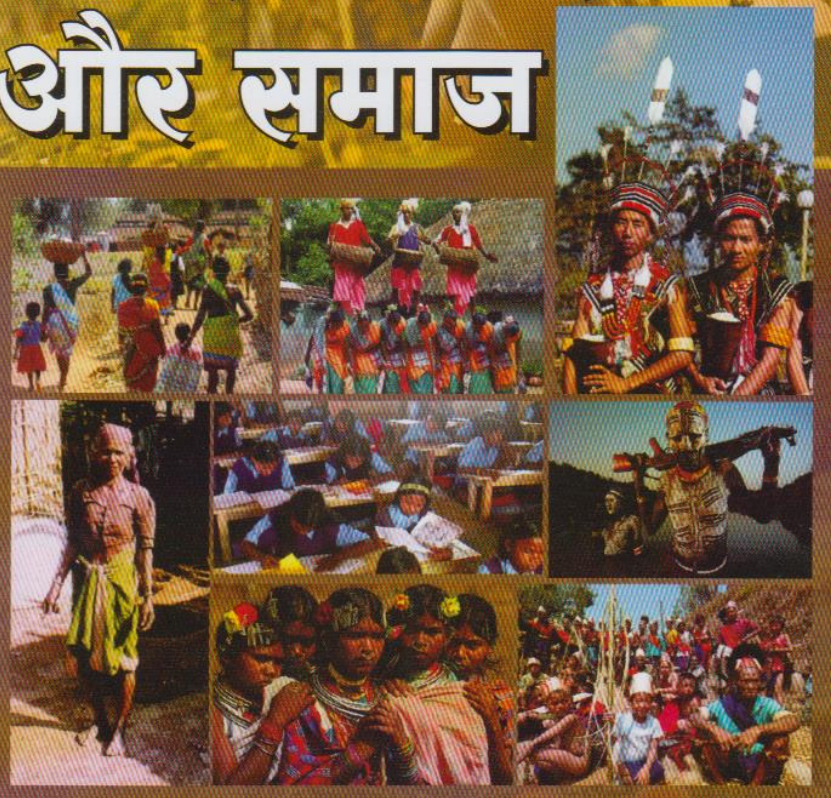

हरि राम मीणा

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(माध्यमिक शिक्षा और उच्चतर शिक्षा विभाग)
भारत सरकार

राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी

# विषय-सूची


| क्र.सं. | अध्याय | पृ.सं. |
|---|---|---|
| | **खण्ड - एक : दर्शन, मिथक व गणचिह्न** | |
| 1 | **पौराणिक आदिनायक**<br>प्रस्तावना, आदिदेव शिव, भैरव, महिषासुर, राजा वेन, राजा बलि, हनुमान, शम्बूक, बाली, वासुकी, एकलव्य, वब्रुवाहन, बर्बरीक | 3-24 |
| 2 | **आदिवासी दर्शन के मूल सिद्धांत**<br>आदिवासी दर्शन के मूल सिद्धांत ; प्रस्तावना, ऋत की आदिमता, नाद का प्रत्यय, महाविस्फोट (Big-Bang) का सिद्धांत, वृत्त और गति की सनातनता, आदिवासी दर्शन के सूत्र | 25-40 |
| 3 | **आदिवासी ज्ञान परम्परा**<br>प्रकृति और मानवेतर जीवजगत से निकट का संबध, समरसता, औषध ज्ञान, आदिम रोग-निदान पद्धति (tribal therapy), होड़ो जीवन पद्धति, आदिम अभियांत्रिकी, घोटुल-बाल गणतंत्र, प्रसन्नता का महत्व | 41-48 |
| 4 | **सृष्टि के प्रति आदिवासी दृष्टि**<br>सृष्टि संबंधी मिथकों का क्षेत्र, पूर्वोत्तर भारत, मध्य भारत, दक्षिणी भारत, अंडमानी द्वीप समूह, मिथकों की प्रमुख विशिष्टताएँ | 49-61 |
| 5 | **आदिवासी गणचिह्न**<br>गणचिह्नवाद के प्रधान लक्षण, गण चिह्नों के प्रति धार्मिक आस्था, गण चिह्नों का खगोलीय महत्त्व, गण चिह्न और गोत्र, आदिवासी कला पर गणचिह्न का प्रभाव | 62-76 |
| | **खण्ड - दो : इतिहास एवं परंपराएँ** | |
| 6 | **आदिवासी किस्सागोई**<br>उत्तरी भारत की राजा मोरध्वज की कथा, मध्य भारत के प्रख्यात गोंड राज्य की जनश्रुति, भीलों का 'महाभारत' व 'रामायण', महिषासुर गाथा, संथालों की 'करैल' कथा, तोता और राजा की कहानी, आंध्रप्रदेश के श्रीशेलम इलाके में प्रचलित चेंचू लक्ष्मी की लोक कथा, किस्सागोई का सन्देश | 79-91 |

7 **विशिष्ट प्रथा-परम्पराएँ** 92-115
घोटुल, डायन प्रथा का यथार्थ, भगोरिया, मौताणा, सेंदरा, जनी शिकार, नववर्ष, वसंत ऋतु, होली का पर्व

8 **आदिम गणतंत्र** 116-127
आदिम गणतांत्रिक परंपरा ; आदिम साम्यवाद 'बहुमत' बनाम 'सर्वमत', ग्राम गणराज्य की अवधारणा, पत्थलगड़ी आन्दोलन, सामान्य इच्छा' और 'सार्वजनिक हित' का तत्व, सहभागी लोकतंत्र, स्वशासन का सिद्धांत, आदिम गण तंत्रों का वर्तमान महत्व

9 **आदिवासी अलगाव का इतिहास** 128-149
मिथकों में आदिवासी अलगाव, प्राचीन युग की त्रासदी, मध्यकालीन दशा, ब्रितानी उपनिवेशवाद, वर्तमान दौर, भावी संभावनाएं

10 **आदिवासी प्रतिरोध की ऐतिहासिक विभूतियाँ** 150-166
स्वतंत्रता संग्रामी बिरसा मुण्डा, टंट्या मामा का विद्रोह, जोरिया भगत, क्रांतिकारी संत गोविन्द गुरु, मुनि मगनसागर का मीणा मोर्चा, वीर योद्धा-पझसी राजा, वीर राघोजी, जयपालसिंह मुंडा, नागा रानी गाइदिल्ल्यू, मिजोरम की रानी रौपुइलियानी, साम्मक्का-सारलम्मा का शौर्य, वीरागंना कालीबाई

## खण्ड - तीन : जीवन के प्रति दृष्टिकोण

11 **आदिवासी सौन्दर्य बोध** 169-179
पृष्ठभूमि, 'सत्यम, शिवम् व सुन्दरम' का प्रत्यय, सौन्दर्य की समान्तर परम्परा, श्रम और सौन्दर्य के संबंध, आदिम सौन्दर्य-बोध

12 **आदिवासी समाज में स्त्री** 180-189
आदिवासी समाज में स्त्री की दशा; वर्णावतरित भारतीय समाज का सच, मातृसत्तात्मकता की पृष्ठभूमि, श्रम का तत्व, विवाह-पद्धतियां, नारी विरोधी कुप्रथाओं का अभाव, लिंगानुपात

13 **आदिवासी समाज और निजी सम्पत्ति** 190-198
आदिवासी समाज और निजी सम्पत्ति; पूँजी का वर्तमान अमानवीय चेहरा, आदिम साम्यवाद, संपत्ति की अवधारणा का प्रादुर्भाव, निजी संपत्ति का प्रत्यय, पारिस्थितिकीय बनाम अति-भौतिकता

## खण्ड - चार : वर्तमान चुनौतियाँ

14 **मीडिया और आदिवासी** 201-207
मीडिया की प्राथमिकता, मीडिया में आदिवासी प्रतिनिधित्व, आदिवासी समाज के प्रति मीडिया का दृष्टिकोण, मीडिया के कतिपय पूर्वाग्रह, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, प्रिंट मीडिया, सिनेमा, पत्र-पत्रिकाएं

| | | |
|---|---|---|
| 15 | **फिल्मों में आदिवासी**<br>फिल्मों में आदिवासी; भूमिका, पौराणिक फिल्मों में आदिवासी चरित्र, अतिवादी दृष्टिकोण, रोमांटिक काल्पनिकता, जीवन का भ्रामक चित्रण, अश्लील तड़कागिरी, शोध की कमी, आदिमता का व्यावसायीकरण | 208-219 |
| 16 | **विलुप्त होती आदिम प्रजातियाँ**<br>पृष्ठभूमि, रेड इंडियंस की त्रासदी, ब्राजीली कबीला का आखिरी आदमी, उत्तरी साईबेरिया, अफ्रीकी मंगोलिया, दक्षिणी केलिफोर्निया, न्यू गिनी, भारतीय परिदृश्य- मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, ओडिशा, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, केरल और अंडमान | 220-228 |
| 17 | **वैश्वीकरण और आदिवासी समाज**<br>नयी आर्थिक नीति, बहुराष्ट्रीय निगमों का वर्चस्व, कृषि पर संकट, आर्थिक घोटाले, विकास-विस्थापन-विनाश और अस्तित्व का संकट | 229-242 |
| 18 | **आदिवासी विकास के सवाल**<br>जयपालसिंह मुंडा की वैचारिकी, पंडित जवाहरलाल के पंचशील, भारत की वन नीति, भू-अर्जन कानून, पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों के लिए विस्तार) अधिनियम, 1996 (PESA), संविधान की पाँचवीं व छठवीं अनुसूचियां, अनुसूचित जनजाति और अन्य परम्परागत वन निवासी (वनाधिकारों की मान्यता) अधिनियम (2006), कतिपय अनौपचारिक प्रयास | 243-265 |
| 19 | **आदिवासी राजनैतिक नेतृत्व**<br>आदिवासी राजनैतिक नेतृत्व ; गणतंत्रात्मक पृष्ठभूमि, स्वतंत्रता के पश्चात् आदिवासी राजनीति, आधुनिक वैचारिक चेतना का अभाव, दलगत राजनीति का प्रभाव | 266-268 |
| 20 | **आदिवासी प्रतिरोध का वर्तमान स्वरूप**<br>पृष्ठभूमि, ओडिशा, महाराष्ट्र, झारखंड, पत्थलगड़ी आन्दोलन, आदिवासी आंदोलनों का वर्गीकरण, प्रतिरोध की रणनीति, शिक्षा और भाषा के सवाल | 269-280 |
| • | **परिशिष्ट** | |
| | i. भारत के आदिवासी (श्रेणीवार) | 283-327 |
| | ii. गण-चिह्न एवं उनकी विशिष्टताएँ | 328-336 |
| | iii. आदिवासी संघर्ष-शृंखला | 337-339 |


❑❑❑